भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA JAIPUR 8 JANUARY 2025

उदयपुर | देश का पहला ऐसा एयरपोर्ट जहां बच्चों के लिए गेम एरिया, खिलौने

एयरपोर्ट की बाल चौपाल पर बच्चों की मौज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर . डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर 3 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बाल चौपाल क्षेत्र विकसित किया गया है।

बाल चौपाल के जरिए एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले लोग फ्लाइट के आने के इंतजार के दौरान बच्चों को इस जगह आराम से गेम खेला सकते हैं। केवल बच्चों के लिए इस तरह का क्षेत्र विकसित करने वाला उदयपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) का पहला एयरपोर्ट है। उदयपुर एयरपोर्ट प्रशासन की यह बच्चों के लिए अनूठी व नई पहल है। इस सुविधा का उद्घाटन पिछले दिनों भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष आइएएस विपिन कुमार ने किया। पढ़ें **एयरपोर्ट** @ पेज 17

उदयपुर . एयरपोर्ट पर 'बाल चौपाल' एरिया।

अभिभावक होते थे परेशान

एयरपोर्ट निदेशक योगेश नगाइच ने बताया कि हर दिन एयरपोर्ट पर हजारों यात्री आते हैं। कइयों के साथ बहुत छोटे बच्चे होते हैं। फ्लाइट के इंतजार के दौरान बच्चों का मनोरंजन और उनका मन बहलाना चुनौती होती है। कई बार अभिभावक और बच्चे परेशान हो जाते थे, ऐसे में उनकी परेशानी को देखते हुए 3 साल से कम उम्र के बच्चों के हिसाब से गेम खेलाकर उनका मनोरंजन यहां किया जा सकता है।

एयरपोर्ट...

उदयपुर एयरपोर्ट निदेशक योगेश नगाइच ने बताया कि एयरपोर्ट के अंदर 3 वर्ष आयु तक के बच्चों के खेलने के लिए "बाल चौपाल" के नाम से एक क्षेत्र बनाया है। जिसमे स्लाइड्स, बास्केटबॉल नेट और विभिन्न तरह के खिलौने उपलब्ध कराए गए है। बच्चों के अभिभावकों के बैठने के लिए आरामदायक सोफे रखे है। इस तरह की छोटे बच्चों के खेलने की मुफ्त सुविधा का देश के हवाईअड्डों में ये पहला प्रयोग है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 9 JANUARY 2025

जेवर के थोरा गांव में किसानों ने महापंचायत कर भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध भरी हुंकार

■ नोएडा एयरपोर्ट के जमीन अधिग्रहण से प्रभावित 14 गांव के किसान पंचायत में हुए शामिल

ग्रेटर नोएडा, 8 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए फेस-तीन में किए जा रहे जमीन अधिग्रहण के खिलाफ बुधवार को थोरा गांव में 14 गांवों की महापंचायत हुई। पंचायत में किसान सभा की जिला कमेटी के पदाधिकारी पूरी टीम के साथ अपना समर्थन करने पहुंचे। महापंचायत नए कानून के सभी लाभों को पूरी तरह लागू करने की मांग के लिए आयोजित की गई थी। किसान सभा की जेवर कमेटी के लखपत सिंह प्रवीण ने किसान सभा की जिला कमेटी के लोगों को महापंचायत में आमंत्रित किया था। महापंचायत में सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष किसान उपस्थित रहे। महापंचायत किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने समर्थन का ऐलान करते हुए कहा कि किसान सभा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में 27 दिन जेल में रहकर आए हैं किसान सभा नए कानून को लागू करने की मांग को लेकर गंभीरता के साथ लड़ाई लड़ रही है। महापंचायत में गबरी मुखिया ने कहा कि जितनी अधिक जमीन हम विकसित कर कर प्राप्त कर लेंगे वहीं हमारे खाने कमाने का साधन बनेंगी अभी हाल ही में हुए किसान आंदोलन की गूंज पूरे देश में गई है मुख्यमंत्री ने आंदोलन के दबाव में किसानों के प्रतिनिधियों से बातचीत की है प्रतिनिधियों ने आंदोलन का नाजायज फायदा उठाते हुए जेवर के किसानों के लिए मुआवजे की मामूली वृद्धि कराकर न केवल किसानों के साथ धोखा किया गया है। बल्कि फर्जी तरीके से उसका श्रेय लेने की कोशिश की है। परंतु किसान समझ चुके हैं उनके पुराने अनुभव बड़े खट्टे रहे हैं इसलिए जेवर के किसानों ने तथाकथित मुआवजा वृद्धि को अपने साथ धोखा बताते हुए जानकारी दिया है हम आपकी इस जागरूकता को सलाम करते हैं। किसानों ने कहा कानून के प्रावधानों के अनुसार हवाई अड्डे के अगल-बगल जहां पर एक लाख रुपए से कम के भाव नहीं है वहां पर सर्किल रेट रिवाइज करवारकर बाजार भाव पर मुआवजे की दर तय करवानी चाहिए। किसान सभा के जिला सचिव जोगेंद्र प्रधान ने कहा नगद पैसा अधिक दिन नहीं रुकता हमें अधिक से अधिक विकास की प्रक्रिय में सहभागी होते हुए लैंड पुलिंग के तहत 25 फीसदी विकसित प्लाट की मांग करनी चाहिए इसमें सरकार को भी फायदा है और किसानों को भी फायदा है शेष जमीन जो सरकार के हिस्से में आएगी उसका मुआवजा सर्किल रेट रिवाइज होकर गांव में चार गुना तय होना चाहिए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 9 JANUARY 2025

एयरपोर्ट फेस-दो में पुनर्वास पर 616.17 करोड़ होंगे खर्च

ग्रेटर नोएडा, 8 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तार के लिए ुए जमीन अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों को फलैंदा बांगर व माडलपुर में पुनर्वास किया ाएगा। इसके लिए दोनों गांव की कुल 189.76 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा हा है। इसके लिए प्रभावित किसानों को 616.17 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरित किया ाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 1365 हे. जमीन अधिगृहीत की गई है। ससे प्रभावित 93 प्रतिशत किसानों को मुआवजा वितरण किया जा चुका है, लेकिन जमीन धिग्रहण से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की क्रिया अभी तक शुरू नहीं हुई है।

■ जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को फलैंदा बांगर व मॉडलपुर में 189.76 हेक्टेयर जमीन पर होगा पुनर्वास

प्रभावित किसानों की मांग पर पुनर्वास के लिए फलैंदा बांगर व माडलपुर गांव का चयन केया गया है। इन गांवों की 189.76 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया की जा रही है। मीन अधिग्रहण होने के बाद पुनर्वास के लिए सीवर, पेयजल पाइप लाइन, बिजली समेत न्य सुविधाएं और भूखंड विकसित होंगे। इन भूखंडों को पुनर्वास वाले ग्रामीणों को ावंटित किया जाएगा।

नौ हजार से अधिक परिवारों को होगा पुनर्वास

1365 हे. जमीन के अधिग्रहण से रन्हेरा, कुरैब व उसका माजरा नगला जहानु, नगला हुम सेंह प्रभावित है। इस गांव में रहने वाले करीब नौ हजार परिवारों को माडलपुर व फलैंदा ांव में बसाया जाएगा।

फलैंदा बांगर व माडलपुर गांव की जमीन अधिग्रहण से 1080 परिवार प्रभावित हैं। ुनर्व्यवस्थापन के लिए इन परिवार के प्रत्येक सदस्य को 5.50 लाख रुपए व जमीन के ेवज में मुआवजा दिया जाएगा।

जमीन अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य ल रहा है। 616.17 करोड़ रुपए मुआवजा वितरण पर खर्च होंगे। यह राशि नोएडा टंरनेशनल एयरपोर्ट लि. में शामिल प्रदेश सरकार व नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना ाधिकरण वहन करेंगे : शैलेंद्र भाटिया, नोएडा अफसर, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि.।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 9 JANUARY 2025

एयरपोर्ट पर 19 से 26 जनवरी तक उड़ानों पर आंशिक रोक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : गणतंत्र दिवस की तैयारियों में वायु सेना के विमान कुछ दिनों के बाद रोजाना अभ्यास में जुटेंगे। तमाम तैयारियों के बीच आइजीआइ विमानों को अभ्यास में कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए आइजीआइ एयरपोर्ट पर 19 जनवरी से 26 जनवरी तक सुबह 10.20 बजे से लेकर दोपहर 12.45 तक विमानों का आवागमन बंद रखने का फैसला किया गया है। इस अवधि में कोई कमर्शियल फ्लाइट यहां न तो लैंड करेगी और न ही उड़ान भर सकेगी।

उड़ानों को किया जाएगा रिशिडयूल: नोटम (नोटिस टू एयरमैन) को देखते हुए विभिन्न एयरलाइंस की ओर से 19 जनवरी से 26 जनवरी के दौरान सुबह 10.20 बजे से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक की उड़ानों को रिशिडयूल किए जाने की बात कही जा रही है। एयरलाइंस का कहना है कि आजकल कोहरे की स्थिति को देखते हुए अधिक संभावना इस बात की है कि रिशिडयूल की गई उड़ानों का समय 12.45 के बाद ही रखा जाए, क्योंकि तब एयरपोर्ट पर दृश्यता सुबह के मुकाबले बेहतर रहती है।

आइजीआइ एयरपोर्ट के लिए जारी नोटिस के अनुसार सुबह 10:20 से दोपहर 12:45 बजे तक आवागमन रहेगा बंद

वायु सेना, सेना के विमानों पर नहीं असर

नोटम का असर वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल व सेना के विमानों व हेलिकाप्टर पर नहीं होगा। इसी तरह विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल के विमानों पर भी नोटम का असर नहीं होगा। आइजीआइ एयरपोर्ट पर रोजाना करीब 1300 उड़ान संचालित होते हैं। नोटम का असर इनमें से करीब 200 उड़ानों पर पड़ने की संभावना है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 8 JANUARY 2025

Mohol claims Purandar airport to start ops from March 2029

Staff Reporter
PUNE

The final date for the probable opening of the Purandar airport has been announced. The announcement was made by Union Minister of State for Civil Aviation Murlidhar Mohol during a review meeting chaired by Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis in Mumbai. In a post on X (formerly Twitter), Mohol also informed that the obstacle limitation surface (OLS) survey for the runway extension at Pune International Airport in Lohegaon has been completed, and land acquisition for the project is likely to be finalised in six months.

He stated that the land acquisition process for Purandar Airport will begin early, with the Detailed Project Report (DPR) planned to be completed by September 2025, and the airport set to become operational by March 2029. A review meeting regarding the development of aviation services and airports in Maharashtra was held at 'Sahyadri' in Mumbai, under the chairmanship of Chief Minister Devendra Fadnavis. The meeting aimed to discuss the speeding up of the development work of airports in the state and enhance aviation services. All the stakeholders, including senior officials from the Airports Authority of India (AAI), the Army, Maharashtra Airports Corporation, and various other government bodies, participated in the discussions.

Several key issues regarding the airports in the state were discussed during the meeting. The first was the timely completion of the Navi Mumbai International Airport, which is scheduled for March 2025. It should be noted that domestic flights are planned to begin in March, and international flights are expected to commence in April 2025.

By March 31, 2025, the recarpeting of Shirdi and Nagpur airports is also expected to be finished. The development of Amravati Airport, where a night landing facility is being expedited, was another topic of discussion at the conference. By July 2025, the biggest Flight Training Organisation (FTO) in South Asia is also anticipated to be finished.

The meeting also discussed the initiation of air services for Solapur and the acquisition of land for runway expansion at Kolhapur Airport. The need for starting the night landing process at both Solapur and Kolhapur airports was also raised.

Mohol added, "There was a positive update regarding the construction of a new terminal building at Jalgaon Airport and the land acquisition process for Purandar Airport. The Detailed Project Report (DPR) for Purandar Airport is expected to be completed by September 2025, with the airport projected to be operational by March 2029."

Furthermore, discussions took place about acquiring land for a new airport in Gadchiroli. There were also positive conversations regarding the development and facilities of Ratnagiri, Gondia, Akola, and Sambhajinagar airports. The meeting also focused on immediate surveys for potential water aerodromes in Pawana, Gangapur, Khindsi, and other dams.

For Pune International Airport, the OLS for runway expansion has been completed, and the land acquisition process is expected to be completed in the next six months. Finally, a decision regarding the proposed airport at Vadhan, located near an international port, will be taken soon.

The meeting also discussed the initiation of air services for Solapur and the acquisition of land for runway expansion at Kolhapur Airport.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 9 JANUARY 2025

ADIA pours ₹6.3k cr into GMR Group

GMR Group has received ₹6,300 crore investment from Abu Dhabi's sovereign wealth fund Abu Dhabi Investment Authority (ADIA) and the funds will help in reducing the debt of promoter group entity GMR Enterprises Pvt. Ltd (GEPL).

In October last year, the group had announced securing ₹6,300 crore debt funding from the ADIA.

GMR Infra Enterprises Pvt. Ltd (GIEPL) has received the amount towards the allotment of Optionally Convertible Debentures (OCDs) on 7 January, according to a regulatory filing by the company.

The company is a wholly-owned subsidiary of GEPL, a promoter group entity controlled by G. M. Rao. GEPL is the promoter of GMR Airports Ltd (GAL).

GMR Group operates three airports in India —Delhi, Hyderabad and Goa—and two airports in the Philippines and Indonesia. **PTI**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 9 JANUARY 2025

Mumbai Airport becomes first Indian airport to attain ACI Level 5 accreditation

MUMBAI: Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA) has achieved a significant milestone, becoming the first Indian airport to receive Level 5 accreditation from the Airports Council International (ACI) under its Airport Customer Experience Accreditation Programme. This places CSMIA among an elite group of just three airports worldwide to reach this pinnacle of recognition.

The accreditation reflects the airport's commitment to enhancing passenger satisfaction and operational excellence. Jeet Adani, Director of Adani Airport Holdings Limited (AAHL), described the recognition as a testament to CSMIA's dedication to transforming airport experiences through innovative and customer-centric practices.

CSMIA's approach combines cutting-edge design thinking and a data-driven focus to continually improve services. By actively gathering customer feedback and analysing satisfaction scores, the airport has successfully addressed passenger needs and pain points. Key advancements include increasing e-gates at Terminal 2 from 24 to 68 — the highest for any Indian airport — and introducing the "aviio" app to streamline collaboration among stakeholders.

Passengers using the DigiYatra and non-DigiYatra platforms have benefited from smoother journeys and reduced waiting times, thanks to these innovations. The airport's distinctive features include the reintroduction of the "Pawfect" programme, with comfort dogs stationed at Terminal 2, offering travellers a unique and heartwarming experience.

CSMIA's achievements extend beyond operations, reflecting a broader ambition to create a sustainable and world-class travel hub. Managed by Adani Airport Holdings, CSMIA aims to develop as India's largest aerotropolis, blending aviation with commercial and residential infrastructure to support urban growth.

As it sets new benchmarks for airport management, CSMIA continues to redefine passenger experiences, cementing its status as a global leader in the aviation sector. MPOST

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PIONEER DELHI 9 JANUARY 2025

नोएडा में नए सिरे से बनेगी नमो भारत की डीपीआर

केंद्र ने लगाई आपत्ति, रूट और निर्धारित स्टेशनों पर विचार करने और सुझाव भी मांगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गाजियाबाद तक नमो भारत ट्रेन चलाने की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) अब नए सिरे से बनेगी। केंद्र सरकार ने मौजूदा डीपीआर को आपत्तियों के साथ लौटा दिया है।

साथ ही रूट और निर्धारित स्टेशनों पर फिर से विचार करने की सलाह देने के साथ कुछ सुझाव भी मांगे हैं। शैलेंद्र भाटिया ओएसडी यमुना प्राधिकरण ने बताया कि अब राज्य सरकार ने इन आपत्तियों के निपटारे की जिम्मेदारी एनसीआर प्लानिंग बोर्ड को सौंपी है। जल्द ही संशोधित डीपीआर तैयार होगी।

प्रदेश सरकार ने गाजियाबाद के सिद्धार्थनगर से एयरपोर्ट तक 72.4 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर 22 स्टेशन की डीपीआर को मंजूरी देते हुए केंद्र को भेजा था। केंद्र सरकार ने परियोजना की डीपीआर को इनकार कर दिया। परियोजना में कई आपत्तियां दर्ज कराते हुए संशोधन के लिए वापस लौटाया है। केंद्र सरकार ने 20 हजार करोड़ रुपए की परियोजना से ज्यादा से ज्यादा आबादी को लाभ पहुंचाने के लिए संशोधन करने के लिए कहा है।

केंद्र ने परियोजना की डीपीआर में एक ही ट्रैक पर हाई स्पीड ट्रेन और धीमी गति की ट्रेन दौड़ाने के प्रस्ताव पर भी आपत्ति लगाई है। दरअसल इस ट्रैक पर नमो भारत, मेट्रो और एलआरटी तीनो चलनी थी। नॉलेज पार्क में मेट्रो और नमो भारत ट्रेन लिंक करेगी। सेक्टर-51 से नॉजेल पार्क-5 तक प्रस्तावित एक्वा लाइन को नमो भारत ट्रेन से लिंक कराने की योजना है। इस कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए एनसीआर प्लानिंग बोर्ड आपत्तियां का निस्तारण करेगा। फिल्म सिटी से एयरपोर्ट तक 14.6 किलोमीटर के रूट पर मोनो रेल चलाने का भी विचार है। दो महीने में इसकी डीपीआर तैयार होने की बात सामने आई है।

प्रस्ताव को राज्य सरकार की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। दरअसल नामों भारत के ट्रैक पर दूसरी ट्रेन चलाए जाने का भी प्रस्ताव यमुना प्राधिकरण की ओर से बनाया गया था, लेकिन इस मामले में सामने आया है कि नामों भारत ट्रैक पर दूसरी ट्रेनों को जगह नहीं मिल पाएगी।

इसमें मेट्रो सहित अन्य सेवाओं से लिंक करने पर सहमति बन सकती है। मगर, एक ट्रैक पर सेमी हाईस्पीड और धीमी रफ्तार की ट्रेन सेवाओं के संचालन की योजना पर भी आपत्ति की गई है। नॉलेज पार्क में मेट्रो को नमो भारत ट्रेन लिंक करेगी। सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा के नॉजेल पार्क-5 तक प्रस्तावित एक्वा लाइन को एयरपोर्ट तक जाने वाली नमो भारत ट्रेन के लिंक कराने की योजना है। ऐसे में इस कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए एनसीआर प्लानिंग बोर्ड आपत्तियों का निस्तारण करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 8 JANUARY 2025

Security staff, rickshaw drivers clash at airport

CISF Called In To Restore Order, Complaints Filed

TIMES NEWS NETWORK

Ahmedabad: A scuffle broke out late on Monday between airport security officials and autorickshaw drivers outside the domestic arrivals terminal of the Sardar Vallabhbhai Patel International (SVPI) airport in the city. What began as arguments around 10.30pm took an ugly turn, leading to chaotic scenes that lasted nearly an hour.

The confrontation began when the security officials attempted to stop autorickshaw drivers and cab operators from soliciting passengers and touting for business. Airport sources told TOI that some of the drivers retaliated by hurling abuses and shoving the security personnel.

"In the late hours of Jan 6, 2025, touts and transport providers created a ruckus at the arrivals area of SVPI airport, leading to physical altercations and injuries. The airport team is working with the authorities to investigate and address the incident. Airport operations remain unaffected. The safety of passengers and stakeholders continues to be our top priority," said an SVPI airport spokesperson.

ROW OVER TOUTING

According to sources, touting is a persistent issue at the airport and often leads to friction between security personnel and cabbies and autorickshaw drivers. The security agencies hired by the airport operator promptly filed a formal complaint against the drivers at the SVPI airport police station.

With the situation escalating, the Central Industrial Security Force (CISF) was called in to restore order.

A cab driver, Navin Harvani, also filed a counter-complaint alleging that a security guard at the airport hit him on his head with a pipe, causing him to bleed from his mouth. The complaint further stated that at least five autorickshaw drivers were also attacked by security personnel during the altercation. The city airport operator has been struggling to handle the menace of touting and is seeking stringent regulations to prevent inconvenience to passengers, sources said.

"In the past, four FIRs were lodged by security agencies in addition to 50 complaints over the issue of touting," a source said.

Authority seeks anti-touting regulations

The govts in Delhi and Maharashtra introduced anti-touting laws at least 10-15 years ago in their respective states to curb the menace of touting at the airports. According to sources privy to the development, "The Ahmedabad airport authority has already made six representations before the state govt in the past, seeking an anti-touting law in Gujarat. The issue has also been raised repeatedly during the internal committee meetings at the airport," a source said. Sources told TOI that in the absence of a law in place to prevent such touts from soliciting passengers, it is difficult for police to take action. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASSAM TRIBUNE GUWAHATI 8 JANUARY 2025

Mount Ibu erupts, flight alert issued

JAKARTA, Jan 7: Mount Ibu, located in Indonesia's eastern North Maluku province, erupted on Tuesday, prompting the Centre for Volcanology and Geological Hazard Mitigation to issue a flight alert.

The volcano, situated in West Halmahera regency, expelled a column of ash that reached up to 3 km into the sky, and the resulting brown cloud drifted northwest of the volcano.

Residents living on the slopes of the mountain, as well as tourists, have been banned from entering a 4-km radius around the crater. Additionally, the danger zone has been extended to 5.5 km in the northern areas. During ashfall, communities engaging in outdoor activities are advised to wear face masks, sunglasses, and nose protectors.

To safeguard flights from the risks associated with volcanic materials released during the eruption, a Volcano Observatory Notice for Aviation has been issued at the orange level, which is the second-highest warning.

The notice prohibits aircraft from flying at altitudes within 5 km of the volcano. Pilots must also be prepared for the possibility of ash clouds that could disrupt flights.

Mount Ibu, standing at a height of 1,325 metres, is one of the 127 active volcanoes in Indonesia, Xinhua news agency reported.

The volcano had also erupted last week, prompting an aviation warning, the country's Volcanology and Geological Disaster Mitigation Centre had reported.

Residents living near the slopes of the mountain were prohibited from engaging in any activities within a four-km radius of the crater. – IANS

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JANUARY 2025

घरेलू एयरलाइंस को आईएमडी से साझा करना होगा मौसम का डाटा

नई दिल्ली। सरकार घरेलू एयरलाइंस के टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान इकट्ठा किए गए मौसम डाटा को भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के साथ अनिवार्य रूप से साझा करने को लेकर योजना बना रही है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा कि इस कदम से मौसम पूर्वानुमान में काफी सुधार होगा।

मंत्रालय इस विषय पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहा है और जल्दी ही इस नियम को घरेलू एयरलाइनों के लिए अनिवार्य कर दिया जाएगा। रविचंद्रन ने कहा कि मौसम डाटा साझा करना अनिवार्य होना चाहिए। यह डाटा न केवल एयरलाइनों के सुरक्षित संचालन में मदद करेगा, बल्कि पूरे देश में मौसम पूर्वानुमान को बेहतर बनाएगा। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 9 JANUARY 2025

Aircraft delivery delays, regulatory lapses dim Akasa Air's growth

Aneesh Phadnis
Mumbai

TURBULENT TIMES. Akasa Air's fleet was expected to grow to 40 aircraft by March 2025. Now, it is projected to reach 28 PTI

In August 2023, when Akasa Air celebrated its first anniversary, inducting its 20th Boeing 737 Max aircraft, it was among the fastest growing airlines in the world. The skies looked clear for it to soar as Go First had declared insolvency a few months ago and IndiGo was hamstrung with aircraft engine issues.

But, 15 months on, Akasa Air has hit a speed bump. A series of regulatory lapses has blemished its record.

"Akasa Air's growth was industry leading in the first year of launch. Since then, growth has slowed down, with the airline adding only six aircraft since August 2023. A lot of this is due to the ongoing challenges at Boeing due to a cap on assembly of 737 MAX aircraft imposed by the US Federal Aviation Administration," said Ajay Awtaney, Editor, LiveFromALounge.com, an Indian aviation and loyalty-focused website.

"Akasa Air had a tepid 2024 in terms of fleet addition and this meant it could not make the most of available opportunities," said Ameya Joshi, founder of aviation blog Network Thoughts.

Akasa Air's fleet was expected to grow to 40 aircraft by March 2025. Now, it is projected to reach 28.

According to aviation analytics firm Cirium, Akasa Air is scheduled to operate around 138 flights daily in January, a 20 per cent year-on-year increase in frequencies. It currently operates to 27 destinations in India and overseas.

Capacity measured on available seat kilometre basis is higher by 58 per cent in the same period due to increased aircraft utilisation and the launch of international routes.

"We are dedicated to maintaining our position as India's most on-time airline and our focus on reliability and service excellence; employee centricity will remain a cornerstone of our strategy as we redefine the travel experience for travellers across India and beyond," Akasa Air CEO Vinay Dube said in a statement.

STRONG LEADERSHIP

On Tuesday, the airline designated Belson Coutinho as its Chief Operating Officer. Coutinho, one of the co-founders of the airline, headed the marketing and experience function until now.

In the new role, he will be responsible for in-flight services, airport services, maintenance and flight operations, among other functions. The appointment comes in the backdrop of regulatory action against the airline for safety lapses and service deficiencies.

Late last month, the Directorate General of Civil Aviation suspended the airline's Director of Training and Operations for lapses in training. A ₹10 lakh penalty was imposed for not compensating passengers after a 'denied boarding' incident.

The airline's pilots too have complained of favouritism and bias by senior management and have asked for an independent probe into management practices and safety standards.

"Safety lapses or violations happen in airlines around the world. There are laid down procedures to address them. But when lapses happen repeatedly, it is a worrying trend," said an aviation source. He added that the senior management needs to engage a lot more with the pilots.

Safety is of utmost importance, the airline said last week. It did not comment on *businessline's* queries on training and regulatory issues.

PILOT-PLANE RATIO

Pilots often complain of being overworked and stressed. In Akasa Air, the reverse could be said to be true for a large section of pilots.

The airline accelerated its hiring after August 2023 after 40 pilots quit overnight. While Akasa operates Boeing 737 Max planes, it hired even those who flew other types of aircraft. While transition from one aircraft type to another entails elaborate training, a shortage of instructors and examiners slowed down the process. While Akasa Air has now increased the number of examiners on its rolls to seven and is releasing trainee pilots for active flying duties, there is still unease. Akasa Air is paying all such trainee pilots full salary. It also has a mentor programme for guidance and is updating them about course completion.

However, there is concern among Akasa Air pilots as their colleagues in other airlines have already begun clocking hours while they sit idle.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 9 JANUARY 2025

Govt may mandate airlines share weather data with Met dept

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 8 January

The government is planning to make it mandatory for domestic airlines to share weather data captured by aircraft during takeoff and landing with the India Meteorological Department (IMD), which senior officials say will significantly enhance forecasting capabilities.

M Ravichandran, secretary in the Union Ministry of Earth Sciences, told *PTI* that his ministry had been in discussions with the civil aviation ministry on the matter, and providing weather data would be "made mandatory for domestic airlines within a year".

"It has to be mandatory... It will not only be very useful for airline operations but also for weather forecasts everywhere," he said.

Aircraft provide weather observations using sensors and instruments installed on the plane, which are typically part of onboard systems collectively referred to as Aircraft Meteorological Data Relay (AMDAR) or other advanced systems.

The earth sciences ministry secretary said weather forecasts depended largely on the number of observations collected.

"The more observations we have, the better our predictions can be. It is similar to an exit poll — if you gather data from more places, you will get a clearer picture. In the same way, we aim to collect information on temperature, humidity, and wind wherever possible," he said.

Vertical weather observations (obtained from aircraft and weather balloons) are more important than ground observations because they provide a complete picture of the atmosphere, not just what is happening at the surface, Ravichandran said.

Weather systems such as storms form and evolve in the atmosphere, where temperature, humidity and wind conditions at different altitudes play a key role, he said.

The IMD launches weather balloons from 50-60 stations to collect critical data on temperature, humidity and wind at various altitudes.

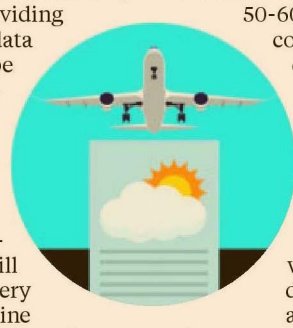

Aircraft provide weather observations using sensors and instruments installed on the plane

Aircraft also record weather data during takeoff and landing. This data is transmitted to the ground in real-time and integrated into forecasting models. Unlike the limited number of weather balloons, thousands of aircraft can relay data.

Ravichandran said all aircraft operating on international routes provided weather data because it was required by law.

However, not all domestic airlines do so as it is not mandatory for them.

He said many countries had made it mandatory for their airlines to provide this data and India needed to have a similar mechanism.

"The aircraft are already gathering the data. It would be a different issue if they were not doing so," he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JANUARY 2025

सेक्टर रिपोर्ट • एयरलाइंस की लागत 1 साल में 10 फीसदी तक बढ़ी

रुपए में गिरावट जारी रही तो किराया बढ़ाएंगी एयरलाइंस; बढ़ रहा है घाटा

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के चलते हवाई यात्रा महंगी हो सकती है। विमानन कंपनियों को आधा से ज्यादा खर्च डॉलर में करना होता है। डॉलर के लिए ज्यादा रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। इसके चलते खर्च एक साल में 10% तक बढ़ गए हैं। इसमें लीज पर लिए गए एयरक्राफ्ट के रेंट, मेंटेनेंस, इंश्योरेंस जैसे खर्च शामिल हैं। एयरलाइंस का कहना है कि यदि रुपए में गिरावट नहीं थमी तो किराया बढ़ाना पड़ेगा। बुधवार को रुपया 17 पैसे गिरकर 85.97 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। एक एयरलाइंस के अधिकारी ने कहा, रुपया कमजोर होने से सालभर में लीजिंग लागत 8% बढ़ गई है। इंश्योरेंस की लागत 10% और मेंटेनेंस व अन्य खर्च 5% बढ़ गए हैं। इससे घाटा बढ़ रहा है। इक्रा के मुताबिक इस साल मार्च तक भारतीय एविएशन इंडस्ट्री का घाटा 2-3 हजार करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

घरेलू विमानन कंपनियों का आधे से ज्यादा खर्च डॉलर में

एयरलाइंस के 66% तक खर्च पर रु. में कमजोरी का असर

खर्च	कुल लागत में हिस्सा
ईंधन	30-35%
मेंटेनेंस	12-14%
लीज रेंट	10-12%
पार्किंग चार्ज	3-5%
सैलरी, अन्य	10-40%

(स्रोतः इंडस्ट्री एक्सपर्ट)

विमानों का किराया ₹9.5 करोड़ प्रति माह तक

- एडवाइजरी फर्म प्राइमस पार्टनर और पीडब्ल्यूसी के मुताबिक, भारत में करीब 80% विमान लीज पर हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह औसत 53% है। एविएशन कंसल्टेंट विशोक मानसिंह ने बताया कि अगर एअर इंडिया के पुराने विमानों को छोड़ दें तो लगभग सभी एयरलाइंस के अधिकतर विमान लीज पर हैं। रुपए की वैल्यू गिरने से इनका रेंट बढ़ गया है।
- भारतीय एयरलाइंस अभी नैरो बॉडी विमान के लिए हर महीने 3.5-4.5 लाख डॉलर (3.9 करोड़ रुपए तक) और वाइड बॉडी विमानों के लिए 9-11 लाख डॉलर (9.5 करोड़ रुपए तक) किराया चुका रही हैं।

- **इंडिगो की एयरक्राफ्ट, इंजन लीजिंग कॉस्ट 4 गुना बढ़ीः** देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 2023-24 की जुलाई-सितंबर में विमान और इंजन का 195.6 करोड़ रुपए किराया चुकाया था। 2024-25 की समान अवधि में यह चार गुना बढ़कर 763.6 करोड़ हो गया। कंपनी ने लंबी अवधि की लीज पर 70 विमान जोड़े हैं।
- **घरेलू मार्गों पर ग्रोथ 10%, अंतराष्ट्रीय मार्गों पर 20%ः** भारत दुनिया का तीसरा बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है। इस साल घरेलू एयर ट्रैफिक 7-10% बढ़कर 17 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने का अनुमान है। इंटरनेशनल ट्रैफिक और भी तेज 15-20% ग्रोथ के साथ 3.6 करोड़ यात्रियों तक पहुंच सकता है।

भारतीय एयरलाइंस की कमाई रुपए में होती है। लेकिन 50% से ज्यादा खर्च डॉलर में हैं। आमतौर पर लीज रेंट 6 साल के लिए फिक्स होता है, लेकिन रुपया कमजोर होने से कंपनियों को डॉलर में ज्यादा भुगतान करना पड़ता है। यदि रुपए की कमजोरी जारी रही तो एयरलाइंस को किराया बढ़ाना पड़ेगा।
-विशोक मानसिंह, एविएशन कंसल्टेंट

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN | DELHI | 9 JANUARY 2025

घरेलू एयरलाइनों को साझा करना पड़ सकता है मौसम संबंधी डाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार घरेलु एयरलाइनों के लिए विमान के उड़ान भरने और उतरने के दौरान एकत्र किए गए मौसम संबंधी डाटा को आइएमडी के साथ साझा करना अनिवार्य बनाने की योजना बना रही है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्वानुमान लगाने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम रविचंद्रन ने बताया कि उनका मंत्रालय इस मामले पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह न केवल उड़ानों के परिचालन के लिए बल्कि हर जगह मौसम पूर्वानुमान के लिए भी बहुत उपयोगी होगा। रविचंद्रन ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान काफी हद तक अवलोकनों पर निर्भर करता है।

हमारे पास जितने अधिक अवलोकन होंगे, हमारा पूर्वानुमान उतना ही बेहतर होगा। रविचंद्रन ने कहा कि 'वर्टिकल' मौसम अवलोकन (विमान और मौसम गुब्बारों से प्राप्त) जमीनी अवलोकनों से अधिक महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे वायुमंडल की पूरी तस्वीर प्रदान करते हैं, न कि केवल सतह पर होने वाली गतिविधियां। तूफान जैसी मौसम प्रणालियां वायुमंडल में बनती और विकसित होती हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 9 JANUARY 2025

घरेलू एयरलाइनों को आइएमडी से साझा करना पड़ सकता है मौसम संबंधी डाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार घरेलू एयरलाइनों के लिए विमान के उड़ान भरने और उतरने के दौरान एकत्र किए गए मौसम संबंधी डाटा को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के साथ साझा करना अनिवार्य बनाने की योजना बना रही है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्वानुमान लगाने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम रविचंद्रन ने बताया कि उनका मंत्रालय इस मामले पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ चर्चा कर रहा है और मौसम संबंधी डाटा उपलब्ध कराना घरेलू एयरलाइनों के लिए अनिवार्य कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह न केवल उड़ानों के परिचालन के लिए बल्कि हर जगह मौसम पूर्वानुमान के लिए भी बहुत उपयोगी होगा।

रविचंद्रन ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान काफी हद तक अवलोकनों पर निर्भर करता है। हमारे पास जितने अधिक

- केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम. रविचंद्रन ने दी जानकारी
- कहा, मौसम का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता में होगी उल्लेखनीय वृद्धि

प्रतीकात्मक

अवलोकन होंगे, हमारा पूर्वानुमान उतना ही बेहतर होगा। रविचंद्रन ने कहा कि 'वर्टिकल' मौसम अवलोकन (विमान और मौसम गुब्बारों से प्राप्त) जमीनी अवलोकनों से अधिक महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे वायुमंडल की पूरी तस्वीर प्रदान करते हैं, न कि केवल सतह पर होने वाली गतिविधियां।

उन्होंने कहा कि तूफान जैसी मौसम प्रणालियां वायुमंडल में विकसित होती हैं, लेकिन विभिन्न ऊंचाइयों पर तापमान, आर्द्रता और हवा की स्थिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग विभिन्न ऊंचाइयों पर तापमान, आर्द्रता और हवा पर महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने के लिए 50-60 स्टेशनों से मौसम के गुब्बारे छोड़ता है। विमान भी उड़ान भरने और उतरने के दौरान मौसम संबंधी डाटा रिकार्ड करते हैं। यह डाटा वास्तविक समय में जमीन पर भेजा जाता है और पूर्वानुमान माडल में एकीकृत किया जाता है। सीमित संख्या में मौसम के गुब्बारों के विपरीत, हजारों विमान मौसम संबंधी डाटा पर भरोसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई देशों ने अपनी एयरलाइनों के लिए यह डाटा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है और भारत को भी इसी तरह की व्यवस्था की आवश्यकता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 8 JANUARY 2025

शहरियों को तीन और उड़ानों की सुविधा जल्द मिलेगी

जागरण संवाददाता, कानपुर: शहरियों को तीन और उड़ानों की सुविधा जल्द मिल सकती है। दिल्ली के लिए सुबह एक और फ्लाइट उड़ाने पर विचार चल रहा है। वहीं, कोलकाता और अहमदाबाद को भी हवाई सेवा से जोड़ने की तैयारी है। एयरपोर्ट अथारिटी के प्रस्ताव पर विमानन कंपनी ने इन तीनों शहरों के लिए विमान सेवा की तैयारी शुरू कर दी है।

चकेरी स्थित एयरपोर्ट से अभी हैदराबाद, बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई के लिए फ्लाइट सुविधा है। हैदराबाद की फ्लाइट सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार की है। बेंगलुरु की उड़ान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार की है। लंबे समय से दिल्ली के लिए सुबह की एक और फ्लाइट के साथ ही कोलकाता व अहमदाबाद के लिए उड़ान की मांग चल रही है। एयरपोर्ट अथारिटी ने विमानन कंपनी इंडिगो को इसके लिए प्रस्ताव दिया है। जरूरत के अनुसार एयरपोर्ट पर सुविधाएं बढ़ाने और एयरपोर्ट के विस्तार का वादा भी किया है। एयरपोर्ट निदेशक संजय कुमार ने बताया कि प्रयास है कि कुंभ मेले के बाद इनमें से कम से कम एक उड़ान चालू की जाए।

दिल्ली के लिए मिल सकती एक और फ्लाइट, कोलकाता और अहमदाबाद को भी हवाई सेवा से जोड़ने की तैयारी

उड्डयन मंत्री से तीन दिन पहले कोलकाता और अहमदाबाद की उड़ान की सुविधा शहर को देने की बात हुई थी। उन्होंने विमानन कंपनियों से अगले शेड्यूल में इन उड़ानों की सुविधा कानपुर में देने के लिए कहा है। रक्षामंत्री के साथ बैठक में एयरपोर्ट के आइएलएस (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) की क्षमता बढ़ाने की बात हुई है। जल्द ही यहां पर रात 10 बजे तक उड़ान की सुविधा मिलेगी।

-रमेश अवस्थी, सांसद

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 JANUARY 2025

सुविधा : हिंडन से नए शहरों के लिए उड़ानें जल्द

ट्रांस हिंडन। हिंडन एयरपोर्ट से अब नए शहरों के लिए उड़ानें जल्द शुरू होंगी। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट का प्रबंधन कर रही कंपनी की याचिका पर कोर्ट का स्टे लगा था। एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक, कंपनी ने मामला वापस ले लिया है। इससे नई उड़ानें शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। >ब्योरा P06

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 JANUARY 2025

लखनऊ-अयोध्या के लिए उड़ान सेवा जल्द शुरू करने की तैयारी

हिंडन एयरपोर्ट

ट्रांस हिंडन, वरिष्ठ संवाददाता। हिंडन एयरपोर्ट से लखनऊ और अयोध्या की फ्लाइट मार्च तक शुरू हो सकती है। बुधवार को अधिकारी इस संबंध में दिल्ली स्थित मुख्यालय में बैठक के लिए गए थे।

एयरपोर्ट प्रबंधन ने स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों और लोगों से मिले इनपुट के अलावा विभिन्न कंपनियों के पूर्व में दिए आवेदन के आधार पर लखनऊ और अयोध्या के लिए उड़ान सेवा शुरू करने पर जोर दिया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस अगस्त 2024 में बेंगलुरु, गोवा, चेन्नई और कोलकाता की उड़ान शुरू करने वाली थी। इस बीच डायल जीएमआर ने कोर्ट में वाद डाल दिया था। कोर्ट के स्टे के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस की व्यावसायिक उड़ान सेवा शुरू नहीं हो पाई थी। वहीं दूसरी कंपनियों ने भी वहां उड़ान शुरू करने से हाथ खींच लिए थे। हिंडन एयरपोर्ट प्राधिकरण के प्रबंधक उमेश यादव ने बताया कि कंपनी ने यह वाद कोर्ट से वापस ले लिया है। इसीलिए अब नए शहरों के लिए घरेलू के साथ व्यवसायिक उड़ान भी शुरू हो सकती हैं।

बेंगलुरु के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट हिंडन से मिल रही है, लेकिन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सीधी उड़ान रखी थी। लखनऊ और अयोध्या के साथ पहले से तय बेंगलुरू समेत चार शहरों को भी मार्च तक जोड़ने की योजना है। इसके बाद प्रयागराज, बनारस और अहमदाबाद के लिए भी उड़ान शुरू की जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 JANUARY 2025

विमान कंपनियां देंगी मौसम की जानकारी

अंतरराष्ट्रीय विमानों की तरह देश की घरेलू विमान कंपनियां भी जल्द ही मौसम की जानकारी भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) को अनिवार्य रूप से देंगी। केंद्र सरकार इसको लेकर योजना बना रही है।

योजना के अनुसार विमान के उड़ान भरने और उतरने के दौरान जो भी मौसम रहा उसकी जानकारी कंपनियां मौसम विभाग को देंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 9 JANUARY 2025

Govt orders airlines to share weather data with IMD

PTI
feedback@livemint.com
NEW DELHI

IMD launches weather balloons to collect temperature data. AP

The government is planning to make it mandatory for domestic airlines to share weather data captured by aircraft during takeoffs and landings with the weather office, which could lead to significantly better forecasts.

Currently, the India Meteorological Department (IMD) launches weather balloons from 50-60 stations to collect critical data on temperature, humidity and wind speed at various altitudes, which form crucial inputs for weather forecasting models.

These inputs could increase exponentially as the country records more than 6,000 takeoffs and landings by domestic airlines at various airports every day.

M. Ravichandran, secretary in the Union ministry of earth sciences, said that his ministry had been in discussions with the civil aviation ministry on the matter, and providing weather data would be "made mandatory for domestic airlines within a year".

"It has to be mandatory...It will not only be very useful for airline operations but also for weather forecasts everywhere," he said. Ravichandran said weather forecasts depended largely on the number of observations collected.

With new airports coming up, IMD could have access to data from a wider geographical region

He said that with new airports coming up in different parts of the country, the weather office could have access to data from a wider geographical region, leading to better localized predictions.

"The more observations we have, the better our predictions can be. It is similar to an exit poll—if you gather data from more places, you will get a clearer picture. In the same way, we aim to collect information on temperature, humidity, and wind wherever possible," he said.

Vertical weather observations (obtained from aircraft and weather balloons) are more important than ground observations because they provide a complete picture of the atmosphere, not just what is happening at the surface, Ravichandran said.

Weather systems such as storms form and evolve in the atmosphere, where temperature, humidity and wind conditions at different altitudes play a key role, he said.

Aircraft also record weather data during takeoffs and landings. This data is transmitted to the ground in real-time and integrated into forecasting models.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 9 JANUARY 2025

Capital continues to shiver under cold wave and foggy conditions; 200 flights delayed

EXPRESS NEWS SERVICE @ New Delhi

A thick layer of fog blanketed the national capital and neighbouring areas on Wednesday morning as North India continued to reel under a cold wave. Visibility was significantly reduced at airports across the region, disrupting flight services. At New Delhi's Indira Gandhi International Airport (IGI), 200 flights were delayed, and four were cancelled.

Meanwhile, the India Meteorological Department's (IMD) seven-day forecast indicates that from Wednesday, the minimum temperature will start dipping, and by Friday, it is expected to drop to 5 degrees Celsius. Anticipating dense to very dense fog conditions, the weather department issued an orange alert for Delhi on Wednesday and a yellow alert for Thursday and Friday.

In the past 24 hours, the maximum temperature in Delhi was recorded at 16.2, which is 2.8 degrees below normal, and the minimum temperature was 7.4, which was 5 degrees above normal.

Meanwhile, the Delhi Airport, already reeling under fog, will see further disruption starting January 19 as a NOTAM (Notice to Airmen) has been issued for closure of airspace over Delhi from 10:20 am to 12:45 pm from January 19 to 26. This is for practice, dress rehearsal and the actual Republic Day parade. This is for practice, dress rehearsal and the actual R-Day parade, an annual celebration that includes a parade, flypast and display of culture and military hardware along Kartavya Path. The closure will start on January 19 and will remain enforced till Republic Day.

The impact is not restricted to domestic flights, with the schedule showing an effect on flights from Toronto, Washington, and Colombo, among others.

NOTAM issued

The Delhi Airport, already reeling under fog, will see further disruption starting January 19 as a NOTAM (Notice to Airmen) has been issued for closure of airspace over Delhi from 10:20 am to 12:45 pm from January 19 to 26.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 9 JANUARY 2025

Airlines may have to share weather data with IMD

JITENDRA CHOUBEY @ New Delhi

THE government is considering making it mandatory for domestic airlines to share real-time weather data collected during take-off and landing with the India Meteorological Department (IMD) to enhance high weather forecast efficiency capabilities.

However, domestic airlines may be unwilling to agree as it may increase the operational costs of airlines and airports.

Currently, it is optional for domestic airlines to provide real-time weather-related data to the concerned airport authorities. However, the law requires all major international airlines operating on international routes to provide weather-related data to airport authorities regularly.

Weather forecasts depend on the number of observations made in a region. Currently, the IMD launches weather balloons from over 60 locations to collect critical data on temperature, humidity and wind speed at various altitudes.

"There are over a hundred operational airports and over three thousand daily domestic flights which can relay data in real-time that can significantly increase forecast precision of the IMD," M Ravichandran, Secretary in the Union Ministry of Earth Sciences, told this newspaper.

He said the Earth Sciences ministry was in discussion with the civil aviation ministry on the matter, and providing weather data would be "made mandatory for domestic airlines within a year".

"In India, some India-based airlines do provide weather data when they fly on international routes, but not all," said Ravichandran. "Like British Airways, when it lands at Delhi Airport, it submits data to the airport authority, which is relayed to IMD for analysis."

However, relaying real-time weather data would be a costly affair. Airlines cannot do so without first agreeing to a financial mechanism. Otherwise, the cost may be transferred to consumers.

Instruments like the Aircraft Meteorological Data Relay (AMDAR) or other advanced systems could be installed on aircraft. This system predominantly utilises existing onboard sensors, computers and communications systems to collect, process, format and transmit meteorological data.

One of the major advantages is that aircrafts can provide a large amount of data from remote areas where IMD's balloons don't reach, such as the ocean or seas.

However, relaying real-time weather data would be a costly affair. "The major roadblock to this operation is cost," a senior officer at the Ministry of Civil Aviation said.

The information relayed to ground stations via satellite or radio links includes air temperature, wind, turbulence and other required information.

AT A GLANCE

- Instruments like the Aircraft Meteorological Data Relay (AMDAR) could be installed on aircraft
- Utilises existing onboard sensors, and systems to collect, process, and transmit weather data
- Aircrafts can provide data from remote areas where IMD's balloons don't reach, such as ocean or seas.
- "Some Indian airlines do provide weather data when they fly on international routes, which is relayed to IMD for analysis."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 9 JANUARY 2025

टेकऑफ, लैंडिंग के समय मौसम का डेटा IMD को देना होगा!

■ भाषा, नई दिल्ली

सरकार घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान के उड़ान भरने और उतरने के दौरान एकत्र किए गए मौसम के पूर्वानुमान संबंधी आंकड़ों को IMD के साथ साझा करना अनिवार्य बनाने की योजना बना रही है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्वानुमान लगाने की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम. रविचंद्रन ने बताया कि उनका मंत्रालय इस मामले पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ चर्चा कर रहा है और मौसम के पूर्वानुमान संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराना एक वर्ष के अंदर घरेलू विमानन कंपनियों के लिए अनिवार्य कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इसे अनिवार्य किया जाना चाहिए। यह न केवल उड़ानों के परिचालन के लिए, बल्कि हर जगह मौसम पूर्वानुमान के लिए भी बहुत उपयोगी होगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान काफी हद तक अवलोकनों पर निर्भर करता है।

AI Image

'पूर्वानुमान क्षमता में सुधार होगा'

भारत मौसम विज्ञान विभाग विभिन्न ऊंचाइयों पर तापमान, आर्द्रता और हवा पर महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने के लिए 50-60 स्टेशनों से मौसम के गुब्बारे छोड़ता है। विमान भी उड़ान भरने और उतरने के दौरान मौसम संबंधी डेटा रेकॉर्ड करते हैं। यह डेटा वास्तविक समय में जमीन पर भेजा जाता है और पूर्वानुमान मॉडल में एकीकृत किया जाता है। सीमित संख्या में मौसम के गुब्बारों के विपरीत, हजारों विमान मौसम संबंधी डेटा पर भरोसा कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर चलने वाले सभी विमान मौसम के पूर्वानुमान संबंधी डेटा प्रदान करते हैं क्योंकि यह कानून के अनुसार जरूरी है। हालांकि, सभी घरेलू एयरलाइंस ऐसा नहीं करती हैं क्योंकि यह उनके लिए अनिवार्य नहीं है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम. रविचंद्रन ने कहा, भारत में हवाई संपर्क में लगातार वृद्धि हो रही है, प्रत्येक राज्य में 10 से 15 हवाई अड्डे हैं। अगर सभी घरेलू एयरलाइंस यह महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करना शुरू कर दें तो हमारी पूर्वानुमान क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JANUARY 2025

घरेलू विमानन कंपनियों को आईएमडी के साथ साझा करना पड़ेगा मौसम संबंधी डेटा!

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान के उड़ान भरने और उतरने के दौरान एकत्र किए गए मौसम संबंधी आंकड़ों को आईएमडी के साथ साझा करना अनिवार्य बनाने की योजना बना रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्वानुमान लगाने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम. रविचंद्रन ने बताया कि उनका मंत्रालय इस मामले पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ चर्चा कर रहा है, और मौसम संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराना 'एक वर्ष के अंदर घरेलू विमानन कंपनियों के लिए अनिवार्य कर दिया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'इसे अनिवार्य किया जाना चाहिए... यह न केवल उड़ानों के परिचालन के लिए बल्कि हर जगह मौसम पूर्वानुमान के लिए भी बहुत उपयोगी होगा।'

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान काफी हद तक अवलोकनों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जितने अधिक अवलोकन होंगे, हमारा पूर्वानुमान उतना ही बेहतर होगा। यह एक्जिट पोल के समान है - यदि आप अधिक स्थानों से डेटा एकत्र करते है, तो आपको एक स्पष्ट तस्वीर मिलेगी। उसी तरह, हमारा लक्ष्य जहां भी संभव हो, तापमान, आर्द्रता और हवा के बारे में जानकारी एकत्र करना है।'

रविचंद्रन ने कहा कि 'वर्टिकल' मौसम अवलोकन (विमान और मौसम गुब्बारों से प्राप्त) जमीनी अवलोकनों से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे वायुमंडल की पूरी

यह न केवल उड़ानों के परिचालन के लिए बल्कि हर जगह मौसम पूर्वानुमान के लिए भी बहुत उपयोगी होगा

तस्वीर प्रदान करते है, न कि केवल सतह पर होने वाली गतिविधियां।' उन्होंने कहा कि तूफान जैसी मौसम प्रणालियाँ वायुमंडल में बनती और विकसित होती है, लेकिन विभिन्न ऊँचाइयों पर तापमान, आर्द्रता और हवा की स्थिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग विभिन्न ऊँचाइयों पर तापमान, आर्द्रता और हवा पर महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने के लिए 50-60 स्टेशनों से मौसम के गुब्बारे छोड़ता है। विमान भी उड़ान भरने और उतरने के दौरान मौसम संबंधी डेटा रिकॉर्ड करते है। यह डेटा वास्तविक समय में जमीन पर भेजा जाता है और पूर्वानुमान मॉडल में एकीकृत किया जाता है। सीमित संख्या में मौसम के गुब्बारों के विपरीत, हजारों विमान मौसम संबंधी डेटा पर भरोसा कर सकते है।

रविचंद्रन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर चलने वाले सभी विमान मौसम संबंधी डेटा प्रदान करते है क्योंकि यह कानून के अनुसार आवश्यक है। हालांकि, सभी घरेलू एयरलाइंस ऐसा नही करती है क्योंकि यह उनके लिए अनिवार्य नही है। उन्होंने कहा कि कई देशों ने अपनी एयरलाइनों के लिए यह डेटा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है और भारत को भी इसी तरह की व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'विमान पहले से ही डेटा एकत्र कर रहे है। अगर वे ऐसा नही कर रहे होते तो यह एक अलग मुद्दा होता।' रविचंद्रन ने कहा 'भारत में हवाई संपर्क में लगातार वृद्धि हो रही है, प्रत्येक राज्य में 10 से 15 हवाई अड्डे है। अगर सभी घरेलू एयरलाइंस यह महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करना शुरू कर दें तो हमारी पूर्वानुमान क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा।'

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JANUARY 2025

अंतरराष्ट्रीय उड़ान बुकिंग के लिए आंशिक भुगतान सुविधा

नई दिल्ली (भाषा)।

ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप ने यात्रियों के लिए आंशिक भुगतान विकल्प पेश किया है। इसके तहत यात्री कुल किराए का 10 से 40 प्रतिशत अग्रिम भुगतान करके अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 'कन्फर्म बुकिंग' प्राप्त कर सकते हैं। यात्रा मंच ने बुधवार को यह सूचना दी। अग्रिम भुगतान का सटीक प्रतिशत एयरलाइन, यात्रा क्षेत्र और अग्रिम खरीद खिड़की जैसे कारकों द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

शेष राशि का भुगतान या तो यात्रा की तारीख से पहले या बुकिंग के 45 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए, जो भी पहले हो। इसके लिए कोई अतिरिक्त लागत भी नहीं ली जाएगी। मेकमाईट्रिप ने एक बयान में कहा, 'यह उद्योग-प्रथम सुविधा यात्रियों, विशेष रूप से बड़े परिवारों या समूहों के लिए एक आम समस्या का समाधान करती है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय उड़ान बुक करते समय पूरी टिकट राशि का अग्रिम भुगतान करना चुनौतीपूर्ण लग सकता है।' बयान के अनुसार आंशिक भुगतान विकल्प चुनने वाले उपयोगकर्ता किराया नियमों के अनुसार पूर्ण भुगतान पूरा करने के बाद अपनी पुष्टि की गई बुकिंग को संशोधित कर सकते हैं।'

मेकमाईट्रिप की मुख्य परिचालन अधिकारी (उड़ान, हॉलीडेज एवं खाड़ी देर) सौजन्य श्रीवास्तव ने कहा, 'उद्योग में पहली बार आंशिक भुगतान की यह सुविधा हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो अधिक भारतीयों को अधिक सुविधा और लचीलेपन के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बुक करने में सक्षम बनाती है।'

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN KOLKATA 8 JANUARY 2025

Akasa Air appoints Belson Coutinho as COO amid rising competition:Low-cost carrier Akasa Air on Tuesday said it has appointed Belson Coutinho as its Chief Operating Officer (COO). Coutinho will lead Akasa Air`s crucial operational functions, responsible for inflight services, airport services, maintenance and engineering, flight operations and operational excellence, among others.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JANUARY 2025

Chilly Nights & Dense Fog Likely To Continue

150 Flights Delayed, AQI May Worsen Again

WHAT ARE YOU SMOKING?

Photo: **Rajesh Mehta**

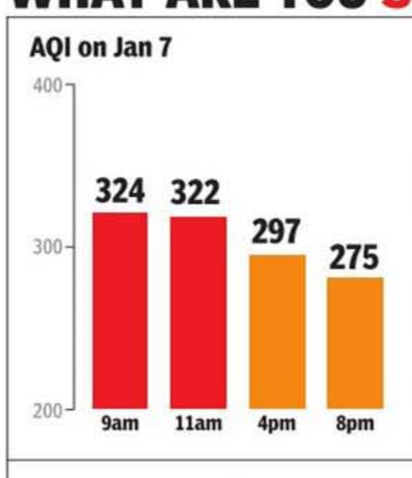

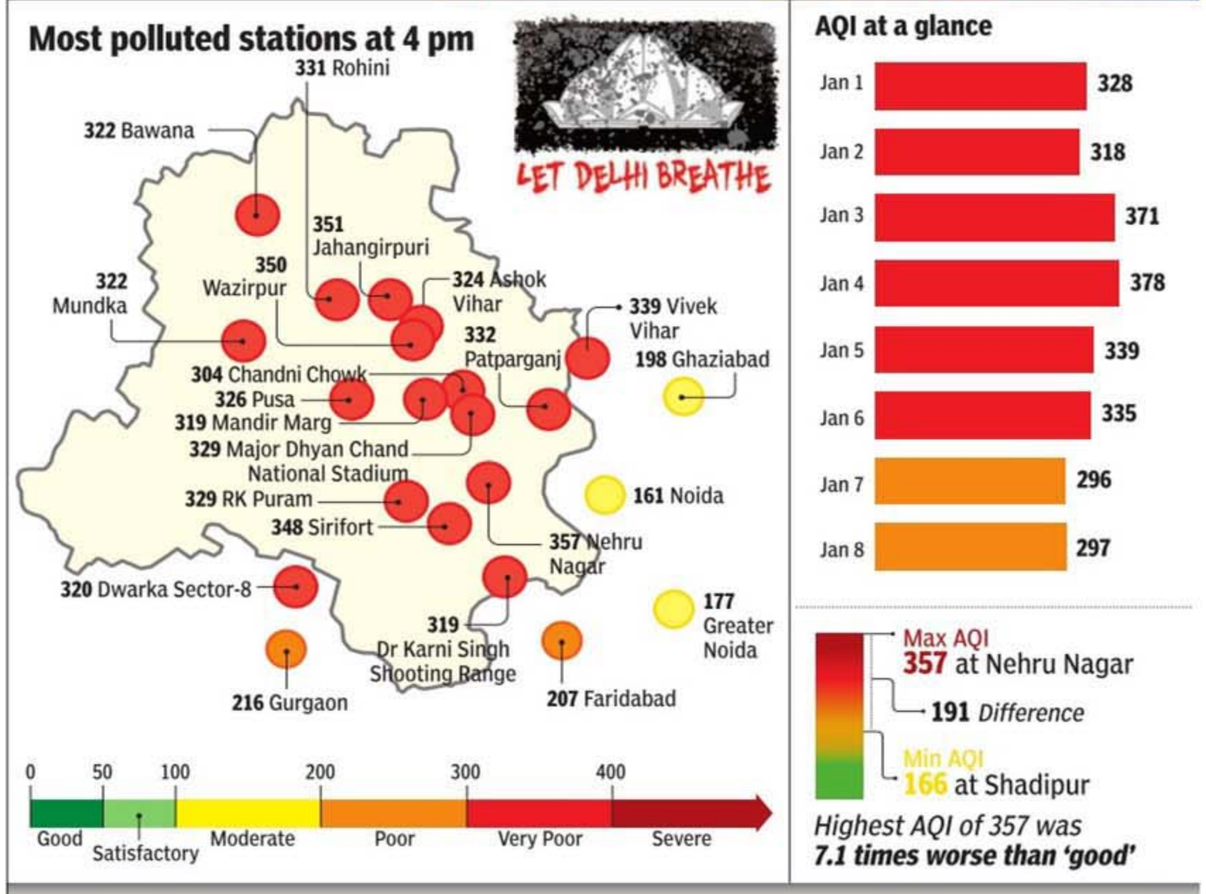

- Air quality likely to remain very poor from Jan 9 to 11
- Dense fog at most places and very dense fog at isolated places likely on Thursday and Friday
- Light rain likely on Saturday
- Possibility of very light rain or drizzle on Saturday

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Brace for colder nights and foggy mornings in Delhi in the next two days. According to India Meteorological Department, the minimum temperature is likely to dip further while the dense fog condition may continue. The city is likely to receive light rain during the weekend.

The minimum temperature on Wednesday was 7.4 degrees Celsius, 0.5 degrees above normal. It was 3.1 degrees lower than Tuesday's minimum temperature. As it was a sunny day, the maximum temperature rose to 21.5 degrees Celsius, three degrees above normal, compared to 16.2 degrees Celsius a day earlier.

According to IMD, the visibility at Palam dropped to 50 metres at 12 am on Wednesday, which started improving from 1 am and touched 500 metres at 2.30 am. However, it started deteriorating again and became zero at 5.30 pm, which again improved to 100 metres at 6.30 am. The visibility rose to 500 metres at 8.30 am. "Thus, Palam witnessed minimum visibility at 50 metres twice. Winds were westerly at 5-7 kmph throughout the night," said an official.

Over 150 flights were delayed at IGI Airport on Wednesday, according to FlightRadar24. However, an airport official said no flight was diverted or cancelled due to low visibility, and some flights were impacted due to weather conditions at other airports.

At Safdarjung, which is the city's base station, the minimum visibility was recorded at 100 metres from 11.30 pm to 2.30 am.

IMD classifies the intensity of fog in terms of visibility. When the visibility is under 50 metres, it is classified as very dense fog. Visibility between 50-200 metres is dense fog, between 200-500 metres is moderate fog, and between 500-1,000 metres is shallow fog.

The minimum temperature may dip further to 6 degrees Celsius on Thursday and Friday. The Met department has placed an orange alert (be prepared to take action) for dense fog at most places and very dense fog at isolated places for Thursday. A yellow alert (be aware) for dense fog at most places has been issued for Friday.

"Due to clear skies and cooler north-westerly winds, the minimum temperature may dip further in the next two days," said a Met official.

Under the influence of a western disturbance, Delhi may also see light rain activity during the weekend. "Light rain or a thunderstorm is likely on Saturday. However, there are chances of very light rain or drizzle on Sunday," the official added.

Delhi's air quality, meanwhile, remained in the poor category with an AQI of 297 compared with 296 a day earlier. However, most stations in the city were in the very poor range throughout the day. Air Quality Early Warning System for Delhi, which is the forecasting body under the union ministry of earth sciences, has predicted that the overall air quality is likely to deteriorate to very poor from Thursday to Saturday.